MHNHC-1.2

Sl.No. :

Total No. of Pages : 3

I Semester M.A. Degree Examination, June - 2025
(CBCS, SLM Scheme)
HINDI
Course - II : Modern Hindi Poetry
आधुनिक हिंदी काव्य

Time : 3 Hours **Max. Marks : 80**

Instruction : ***All sections are compulsory.***

SECTION - A

किन्हीं चार की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : **[4×5=20]**

Q1) तेरह वर्ष व्यतीत हो चुके, पर है मानो कल की बात,
वन को आते देख हमें जब, आर्त्त अचेत हुए थे तात।
अब समय समय निकट ही है जब, अवधि पूर्ण होगी वन की,
किंतु प्राप्ति होगी इस जन को, इससे बढकर किस धन की?

Q2) होता यदि राजत्व मात्र ही, लक्ष्य हमारे जीवन का,
तो क्यों अपने पूर्वज उसको, छोड मार्ग लेते वन का?
परिवर्तन ही यदि उन्नति है, तो हम बढते जाते हैं,
किंतु मुझे तो सीधे–सच्चे, पूर्व –भाव ही भाते हैं।।

Q3) पगली! कौन व्यथा है,
जिसको नारी नहीं सहेगी?
कहती जा सब कथा अग्नि की रेखा को चलने दे,
जलता है यदि हृदय अभागिन का, उसको जलने दे।

Q4) कहते हैं, जिसने सिरजा था हमें प्रकाण्ड पुरूष था;
इसीलिए, उसने प्रवृत्ति नर में दी स्वत्व–हरण की।
और नारियों को विरचा उसने कुछ इस कौशल से
हम हो जाती हैं कृतार्थ अपने अधिकार गँवा कर।

Q5) नारी तुम केवल श्रद्धा हो
जैसे वचन कहे हैं।
इस अर्पण में कुछ और
नहीं केवल उत्सर्ग छलकता हैं
मैं दे दूँ और न फिर कुछ लूँ
इतना ही सरल झलकता है?

Q6) निराधार है किंतु ठहरना हम दोनों को आज वहीं है,
नियति खेल देखूँ न, सुनो अब इसका अन्य उपाय नहीं है।
झाँई लगती जो, वह तुमको ऊपर उठने को है कहती
इस प्रतिकूल पवन को झोंक दूसरी ही आ सहती।

SECTION - B

किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखिए : [3×10=30]

Q7) दिवेदी युग की प्रवृत्तियों पर प्रकाश डालिए।

Q8) 'उर्वशी' महाकाव्य की विशेषताओं का आकलन कीजिए।

Q9) पठित महाकाव्य 'कामायनी' के आधार पर 'रहस्य' सर्ग की समीक्षा कीजिए।

Q10)'कामायनी' महाकाव्य के आधाार पर 'मनु' का चरित्र चित्रण कीजिए।

*Q11)*नयी कविता एवं प्रयोगवाद का अंतर स्पष्ट कीजिए।

SECTION - C

किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखिए : [2×15=30]

Q12) 'पंचवटी' खंडकाव्य का कथासार लिखते हुए, उसकी विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

Q13) 'कामयानी' महाकाव्य का रूपकत्व पर प्रकाश डालिए।

Q14) महाकाव्य के तत्वों के आधार पर 'उर्वशी' महाकाव्य का विवेचन कीजिए।

Q15) पठित धर्मवीर भारती की कविताओं का विश्लेषण कीजिए।

